हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, सोमवार 11 अगस्त 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

आस्था और विश्वाश का पवित्र पर्व कजलिया नगर में हर्ष उल्लाह से मनाया गया

भुआ बिछिया :प्रकृति की गोद में पले हरियाली खुशहाली का महान पर्व,लोक संस्कारों पारंपरिक आस्था और विश्वास सामूहिक उत्साह प्रतीक भुजरियां_कजलिया पर्व आपसी सद्भाव भाईचारे और खुशहाली का संदेश देता हे इस पावन अवसर पर परम्परागत यह रक्षा बंधन के दूसरे दिन मनाया जाता है नगर बिछिया के राम मंदिर में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी कजलिया मेला भरा इस अवसर पर कजलिया नदी पर खोटने के बाद सबसे पहले भगवान के चरणों में अर्पित किया जाता है फिर एक दूसरे से मिला जाता है आपसी भेदभाव भुलाकर सामने हाथ में कजलिया रख एकबार लो और एक बार दो नहीं तो कान में खोच दो गले मिल लो हाथ मिला लो या प्रणाम नमस्कार कर लो इसी तरह का क्रम लगातार सभी से चलता है, राममंदिर में मिलने के बाद जो नहीं मिल पाते और अगर खास है तो उनके घर जाकर मिला जाता है कजलिया का पुरातन पर्व आपसी सद्भाव भाईचारे मिलन का एक अच्छा पर्व है आज नगर के राम मंदिर स्थल सहित नगर में हर्षोल्लास से मनाया गया

जिले में 31 अगस्त तक चलेगा नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज सिवनी। उपसंचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण सिवनी ने बताया कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशामुक्त भारत अभियान के पाँचवें वर्षगाँठ के अवसर पर जिले में 31 अगस्त 2025 तक नशामुक्ति जनजागरूकता संबंधी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आयोजित कार्यक्रमों में जिले के सभी स्कूलों, महाविद्यालयों एवं सार्वजनिक संस्थानों में इस अवधि में सामूहिक नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित होंगे। 13 अगस्त 2025 को जिलेभर में विशेष नशामुक्ति जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत स्कूलों, महाविद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों और युवा स्वयंसेवकों के लिए परिचर्चा, नुक्कड़ नाटक, प्रभातफेरी, रैली, दौड़ साइकल मैराथन, वृक्षारोपण कार्यक्रम तथा नशा छोड़ चुके व्यक्तियों के अनुभव साझा करने जैसे कार्यक्रम होंगे।जिले में आयोजित सभी गतिविधियों का पंजीयनऐप/वेबलिंक पर किया जाएगा, जिससे अभियान की मॉनिटरिंग और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।
उक्त कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु जिले के सभी संबंधित शैक्षणिक, सामाजिक एवं शासकीय विभागों के प्रतिनिधियों की बैठक 11 अगस्त 2025 को कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय नशामुक्ति समिति के साथ आयोजित की जाएगी। इस बैठक में अभियान के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

दो तेज रफ्तार बाइकें आपस में टकराई 5 घायल

सिवनी। जिले के घंसौर के दिवारी गांव के पास दो तेज रफ्तार बाइकें आपस में टकरा गईं। हादसे में पांच लोग घायल हो गए। इनमें से एक को गंभीर स्थिति में जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना शनिवार रात तकरीबन 11 बजे की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, एक बाइक पर दो लोग घंसौर से दिवारी गांव जा रहे थे। दूसरी बाइक पर दो बच्चों सहित एक महिला और एक पुरुष चार घाट से घंसौर की ओर आ रहे थे। दिवारी गांव के पास पहुंचते ही दोनों बाइकें आपस में टकरा गईं। हादसे में घायल हुए लोगों में निहारिका (9) पिता गणेश बर्मन निवासी चार घाट देवरी, निशा बर्मन (9) पिता दिनेश बर्मन और सतेंद्र वर्मन (30) पिता राजकुमार वर्मन को मामूली चोटें आईं हैं। इनके साथ बाइक पर सवार एक महिला को कोई चोट नहीं आई है। दूसरी बाइक पर सवार दिनेश कुडोपा (25) औरकिन्नू कुडोपा (30) को गंभीर चोटें आई हैं। ये दोनों घायल किसान हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटना की सूचना पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी। घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।

जिला जेल में इनर व्हील क्लब ने कैदी भाइयों संग मनाया राखी पर्व

मंडला

राखी का त्यौहार इस बार जिला जेल मंडला में एक अलग ही रूप में देखने को मिला, जब इनर व्हील क्लब मंडला की बहनें अपने स्नेह और शुभकामनाओं का उपहार लेकर कैदी भाइयों से मिलने पहुंचीं। क्लब की ओर से आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में कैदियों की कलाई पर राखी बांधकर न केवल उन्हें त्योहार की खुशियों से जोड़ा गया, बल्कि आपसी भाईचारे और सामाजिक अपनत्व का भी संदेश दिया गया।इस अवसर पर जिलाधीशक भी उपस्थित रहे और उन्होंने कैदियों को अच्छे आचरण और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में नया बदलाव लाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष श्रद्धा तपा के नेतृत्व में मोना जैन, आरती बृजपुरिया, किरण पमनानी, सपना भाटिया, अंकिता केशवानी और संजुलता सिंगार मौजूद रहीं। बहनों ने राखी बांधने के साथ-साथ कैदियों को मिठाई भी खिलाई और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।जिला जेल परिसर में आयोजित इस पहल ने वहां एक भावुक और मानवीय वातावरण बना दिया। कैदी भाइयों ने भी बहनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम उन्हें समाज से जुड़े होने का अहसास कराते हैं और जीवन में सुधार की प्रेरणा देते हैं।यह आयोजन इस संदेश के साथ संपन्न हुआ कि चाहे परिस्थितियां कैसी भी हों, त्योहार की खुशियां और रिश्तों की डोर हर दिल को जोड़ सकती है।

भाईयों की कलाई पर बहनों ने बांधा स्नेह प्यार भरा रक्षासूत्र,

हर्षोउल्लास के साथ मना रक्षाबंधन का पर्व

भुआ बिछिया - शहर सहित छेत्र भर मे हर्षोउल्लास के साथ भाई-बहनों के अटूट प्यार, स्नेह का पर्व रक्षाबंधन मनाया गया। वही दूर-दूर से भाई-बहन घर पहुंच रक्षासूत्र बंधवाया। पूरे छेत्र भर में आज इसे समझो ना रेशम का तार भैया, मेरी राखी का मतलब है प्यार भैया सहित अन्य राखी के गीत शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में खूब सुनाई दे रहा था। इसी स्नेह और भाई ओर बहिन का यह पर्व श्रवण माह की पूर्णमासी के दिन मनाया जाता है ज्ञात हो कि दिन शनिवार के प्रात 5:47 बजे से दोपहर 1 बजकर 25 मिनट तक श्रेष्ठ रहा। श्रावण शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि आज दिन शनिवार 9 अगस्त के दोपहर 1:40 बजे प्रारंभ होकर दोपहर 1:24 तक शुभ मुहूर्त में हर्षोउल्लास के साथ भाई-बहनों ने रक्षाबंधन पर्व मनाया। इस अवसर पर बहनों ने भाईयों की कलाईयों पर रक्षा सूत्र बांध सुरक्षा का वचन मांगा। रक्षाबंधन के पर्व पर बहनों ने सबसे पहले भाईयों के माथे पर तिलक लगाकर पूजा किया। तत्पश्चात कलाइयों में रक्षासूत्र बांधकर उत्साह पूर्वक रक्षाबंधन पर्व मनाया। वहीं भाईयों ने भी बहनों को उपहार भी दिये। वहीं रविवार की शाम से ही कस्बों एवं शहर में चहल-पहल के साथ-साथ मिठाई एवं फल की दुकानों में ग्राहकों की लंबी-लंबी कतारें लगी रहीं।

आदिवासी दिवस में पारंपरिक संस्कृति की दिखी धूम

नारायणगंज

विश्व मूलनिवासी दिवस के अवसर पर विकासखंड मुख्यालय अंतर्गत पुरखा भूमि कुम्हा सरहद चिरी में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सर्व आदिवासी मूल निवासी समाज नारायणगंज गढ़ा मंडला के बैनर तले संपन्न हुआ।कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ की गई, जिसमें सर्वप्रथम बड़ादेव गोंगो की पूजा अर्चना की गई और मंच पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत हल्दी-चावल का तिलक लगाकर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों द्वारा महाराजा शंकर शाह, कुंवर रघुनाथ शाह, महारानी दुर्गावती, भगवान बिरसा मुंडा, बाबा साहब अंबेडकर आदि महापुरुषों की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर श्रद्धा अर्पित की गई।कार्यक्रम का प्रस्तावना पूर्व सरपंच श्री कालीराम मर्रापा ने विस्तारपूर्वक प्रस्तुत किया। इसके उपरांत सैला नृत्य टीम चुटका द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। साथ ही नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों द्वारा भी पारंपरिक संस्कृति से ओत-प्रोत सुंदर प्रस्तुतियां दी गईं।कार्यक्रम में वक्ताओं ने सामाजिक जागरूकता, एकता, आर्थिक सशक्तिकरण तथा समाज के समग्र विकास पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर निवास विधायक श्री चैनसिंह वरकड़े ने संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 9 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय मूलनिवासी दिवस के रूप में घोषित किए जाने की जानकारी दी। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक सशक्तिकरण पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहेःकलीराम कूड़ापे (कार्यक्रम अध्यक्ष), इमरत सिंह धुर्वे (पूर्व सरपंच), ताहर सिंह मरावी, कलीराम मर्रापा, हेमराज पंद्रो, अखिलेश मरावी, धर्मी बाई मर्रापा, वंदना तेकाम, रेवत सिंह मरावी, कमलेश मरावी, जयदेव मार्को, धन्नी परस्ते, हरदयाल वरकड़े, हेमन्त मरावी, हज्जी टेकाम सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रीय जन।

दुर्गा मंदिर रेंज कम्पाउन्ड में सुन्दर काण्ड पाठ सम्पन्न

भुआ बिछिया

श्रावण मास जिसे सावन माह भी कहा जाता है यह माह भगवान शिव को समर्पित माह है जो कि हिन्दू कैलेंडर में पांचवां माह होता है और आमतौर पर जुलाई -अगस्त में पड़ता है इस मास भगवान भोलेनाथ की पुजा अर्चना व्रत रूद्राभिषेक आदि का विशेष महत्व है । समुद्र मंथन भी इसी मास में हुआ था मंथन से निकला हलाहल विष शंकर जी ने ग्रहण किया था ।श्रावण मास वर्षा ऋतु का माह है जिसमें प्रकृति के नवीनीकरण और उर्वरता का प्रतीक है।
बीते वर्ष की भांति इस वर्ष भी मां राजराजेश्वरी दुर्गा मंदिर रेंज कम्पाउन्ड में पूरे श्रावण मास प्रति संध्या को सुन्दर काण्ड पाठ का संगीत मय पाठन पूरी श्रद्धा से किया गया । मंदिर के मुख्य पुजारी डुमारी लाल वर्मन , मनोज साहू, विजय ठाकुर, संतोष ताम्रकार, राजेन्द्र कुमार साहू, पुरूषोत्तम दीक्षित,पप्पू सोनी, विपिन ठाकुर , रमाशंकर राय,ओम राय, सूरज साहू,, चेतराम सिगौर, अजय ठाकुर , सीताराम राजपूत,सतन साहू, कोमल बंजारा, राजू कोमल ठाकुर, आदि का विशेष सहयोग रहा। श्रावण पूर्णिमा को पूर्ण आहुति देने के पश्चात भंडारा आयोजित किया गया
जो कि देर रात तक चलता रहा।

पूरे श्रावण मास में आयोजित हनुमान नाला हनुमान मंदिर में चली अखंड रामायण पाठ का समापन

सावन के अंतिम दिवस हवन पूजन भंडारे के साथ समापन हुआ

भुआ बिछिया

मंडला से बिछिया राष्ट्रीय राजमार्ग NH 30 पर बिछिया नगर से महज 6 किलोमीटर की दुरी पर स्थित परम सिद्ध हनुमान नाला मंदिर धाम जहां विराज मान महावीर हनुमान जी के मंदिर में पूरे श्रावण मास चली अखंड रामायण पाठ का समापन ,श्रावण मास के अंतिम दिवस हवन पूजन भंडारे के साथ किया गया इस अवसर पर पूरे माह रामायण पाठ करने वाले धर्म प्रेमी आस पास नगर बिछिया के श्रद्धालुओ ने समापन के अवसर पर हवन पूजन कर पवन पुत्र राम दूत हनुमान जी से सभी के लिए सुखी समृद्ध जीवन की कामना की इस अवसर पर दूर दराज से आए

श्रद्धालुओं ने भी दर्शन लाभ पाया हनुमान नाला मंदिर स्थल पर दूर दराज से भी श्रद्धालुओ ने आकर दर्शन करने ओर मनोरम स्थान का दर्शन लाभ के लिए आते है, ऐसे सिद्ध स्थान पर प्रति वर्ष श्रावण मास के पावन अवसर पर श्रीरामचरितमानस के पाठ में सहयोगी बने (जंगल में मंगल जैसा है) जैसा माहौल पूरे श्रावण मास रहा 9 अगस्त दिन शनिवार को हुए समापन पर देर रात्रि तक दर्शनार्थियों आवागमन होता रहा प्रतिदिन दिन से लेकर रात्रि तक 24 घंटे क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी बंधु आश्रम आकर रामायण का पाठ करते हैं, जिससे संपूर्ण श्रावण माह में आश्रम का भक्तिमय वातावरण बना रहा । क्षेत्र की मातृ शक्तियां एवं वादक यंत्रों में प्रवीण श्रद्धालु जन भी प्रतिदिन श्री हनुमान नाला आश्रम में आकर रामायण पाठ किया।

विश्व आदिवासी दिवस ग्राम अंजनी में धूम धाम से मनाया गया

भुआ बिछिया

मवई जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत अंजनी में विश्व आदिवासी दिवस पर हुआ कार्यक्रम सर्व प्रथम बड़ा देव मंदिर में ग्राम पंचायत अंजनी एवं ग्राम पंचायत देवरी अर्थात दादर में 6 गाँव के महिला एवं पुरुष उपस्थित होकर बड़ा देव की पूजन एवं अर्चन, पूजन, आरती करके ग्राम में गाजा बाजा के साथ रैली निकली गई रैली के बाद हाई स्कूल के ग्राउंड में कार्यक्रम आयोजन किया गया । कार्यक्रम में करीब 1000 से अधिक महिला पुरुष उपस्थित थे ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से बिहारी लाल धुर्वे पूर्व जनपद अध्यक्ष मवई, शिव कुमार मरावी, सरपंच अंजनी मंगल सिंह, सरपंच देवरी दादर एवं अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित थे । कार्यक्रम महिला तथा पुरुषों द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम किए गए।

मुस्लिम समाज के लोगों ने किया आदिवासी समाज की रैली का स्वागत

मंडला:- विश्व आदिवासी दिवस (मूलनिवासी) आबादी के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व के मूलनिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। यह घटना उन उपलब्धियों और योगदानों को भी स्वीकार करती है। जो मूलनिवासी लोग पर्यावरण संरक्षण जैसे विश्व के मुद्दों को बेहतर बनाने के लिए करते हैं। यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था, 1982 में मानव अधिकारों के संवर्धन और संरक्षण पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की मूलनिवासी आबादी पर संयुक्त राष्ट्र कार्य समूह की पहली बैठक का दिन। खासकर, इसे भारत के आदिवासियों द्वारा धूम धाम से मनाया जाता है, जिसमें रास्तों पर रैली निकाली और मंच में झमाझम कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी कड़ी में मंडला जिले में अलग अलग तहर तरह के आयोजन किए गए मंडला में आदिवासी महापंचायत के द्वारा रैली का आयोजन किया गया जिसमें आदिवासी समाज के युवक युवती अपनी पारंपरिक वेशभूषा के साथ आदिवासी गीतों पर झूमते नाचते हुए अपनी खुशी का इजहार किया तो वहीं एक तरफ एकता की एक अनूठी मिशाल देखने को मिली जहां मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा रैली का भव्य स्वागत मिठाई फल एवं पानी वितरण कर के किया गया जहां बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के युवा मौजूद रहे। उक्त स्वागत को देखते हुए आदिवासी समाज के सभी बुद्धिजीवी लोगों ने मुस्लिम समाज के लोगों का आभार व्यक्त किया

खबर संक्षेप

अज्ञात चोरों ने सूने घर में सेंध लगाते हुये पार किये जेवर

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। नगर सहित क्षेत्र में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के चलते जहां लोगों में दहशत का महौल देखने मिल रहा है। वही दूसरी ओर हाल यह बना हुआ है कि किसी के घर में ताला लगा हुआ देख चोर उसे निशाना बनाने में देर नही करते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों देखने मिली जब नगर के त्रिवेणी कालोनी में अज्ञात चोरों द्वारा सूने घर का ताला तोड़कर सोने चांदी के जेबर पार कर लिये। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार समीपस्थ ग्राम भूतखेड़ा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मै अपने त्रिवेणी कालोनी निवासी बहनोई वीरेन्द्र पुरी गोस्वामी के मकान में रहता हूं। बीते हुये दिनों बेटी की तबियत खराब होने के चलते प्रार्थी की पत्नी उसे लेकर इंदौर गई हुई थी। उसी दौरान जब वापिस आकर देखा तो घर का ताला टूटा पड़ा हुआ था। वही घर के अंदर रखी अलमारी से चार सोने के मंगलसूत्र, दो सोने के हार, दो सोने की अंगूठी, कान का बाला, चांदी की पायल दो जोडी, करधन, विछिया तथा 90 हजार रूपया नगदी किसी अज्ञात चोर द्वारा पार कर लिये गये। घटना को लेकर प्रार्थी की शिकायत पर पुलिस द्वारा अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लेकर चोर की खोजबीन की जा रही है।

सेवा निवृत डीएसपी की पत्नि ने अपने पति पर लगाया मारपीट का आरोप

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। जहां जो व्यक्ति कुछ साल पहले अपराध करने वालों को पकड़ते हुये उनके खिलाफ कार्यवाही करते हुये देखा जाता था। मगर अब वही व्यक्ति किस तरह से अपने घर के अंदर पत्नी के साथ मारपीट व जान से मारने की धमकी देने से नही चूक रहा है..? इस बात की सच्चाई एक सेवा निवृत डीएसपी की पत्नी द्वारा खुद अपने पति के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते हुये पुलिस थाने में की गई शिकायत से उजागर होते हुये जान पड़ रही है.। घटना के संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस शहर के आजाद वार्डि निवासी एक सेवा निवृत डीएसपी के के अवस्थी की पत्नि द्वारा अपने पति पर आरोप लगाते हुये पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि मेरे पति एक साल पहले डीएसपी के पद से रिटायर्ड हुये है और जब अब घर पर ही रहते है और आये दिन मुझ यानि की प्रार्थिया पत्नी को गाली गालौच करते हुये मनमानी करते है। बीते हुये दिवस कीब ात है जब मेरे पति घर में काम करने वाले राजपूत के साथ उसकी मजदूरी के पैसों का हिसाअ कर रहे थें। इस दौरान प्रार्थी के पति राजकुमार से कह रहे कि तूने जो पैसे एडवांस लिये है वह अभी के अभी वापिस कर तक राजकुमार ने बोला की मैं गरीब आदमी हूं मैं आपके पैसो धीरे धीरे वापिस कर दूंगा या फिर काम करके चुका दूगा। इसी बात को लेकर प्रार्थिया द्वारा अपने पति से कहा कि राजकुमार हमारे यहां सालो से काम कर रहा है एडवांस के पैसे काम करके चुका देगा। इसी बात को लेकर प्रार्थिया के साथ आरोपी पति द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये झूमा झटकी की गई तथा गला पकड़ते हुये जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस द्वारा पीड़ित पत्नि की शिकायत पर आरोपी पति के खिलाफ मामला दर्ज करते हुये जांच में लिया गया है।

डंपर की टक्कर से घायल हुये दो साडू भाई

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। क्षेत्र की सड़को पर बेलगाम गति से दौड़ रहे भारी भरकम वाहनों के चलते आम लोगों की जिन्दगी खतरे से खाली नही बची है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिवस समीपस्थ ग्राम पिठहरा तिरहा के पास देखने मिली जहां पर मोटर साईकिल से जा रहे दो संगे साडू भाईयों को एक डम्फर ने टक्कर मारते हुये चोटे पहुंचाई। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम झाझनखेड़ा निवासी एक युवक द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि जब वह उसके साडू भाई कमलेश कहार के साथ मोटर साईकिल पर सबार होकर गाडरवारा जा रहा था।

कजलिया पर्व पर शहर में हुई स्नेह पूर्ण सद्भावना की बारिश, गले मिलकर दी बधाईयाँ, शहर के छिडाव घाट पर लगा मेला, शक्कर नदी में कजलियों को विसर्जन करते हुये गाये सावन गीत...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

रक्षा बंधन का पर्व हर्षोल्लास से मनाने के बाद शहर में कल रविवार को लोकपर्व कजलियों का त्यौहार बड़े ही धूमधाम व हर्ष के साथ मनाया गया, जिसके चलते कजलियां पर्व पर लोगों ने आत्मीयता, सद्भावना की अनोखी बरसात कर साबित कर दिया कि शहर में भाईचारे, अमन का माहौल अभी भी जीवंत बना हुआ दिखाई देने से नही चूका है। ज्ञात की इस वर्ष कजलिया पर्व रविवार के दिन होने के चलते जहां भगवान श्रीराम जी व हनुमान मंदिर में भक्ति की ध्वनि निकलते हुये दिखाई पड़ रही थी तो दूसरी ओर दोपहर के बाद कजलियाँ पर्व की धूम नजर आने लगी थी। इस प्रकार कजलियाँ पर्व मौसम खुशनुमा होने के संगम के बीच अनोखा महोल देखने मिला है। वही इस भाईचारें के पर्व पर लोगों ने कजलियाँ पर्व मनाने का अलग ही उत्साह दिखाई पड़ रहा था। इसी के चलते कजलिया पर्व पर लोगों ने अपने घरों में कन्याओं का कजलियां खोटने के बाद उनका विधि विधान से पूजन किया गया तथा इसके उपरांत शाम की बेला में महिलाएं कजलियां बिसर्जन हेतु शक्कर नदी लेकर पहुंची जहां पर उन्होंने शहर की जीवन रेखा माने जाने वाली शक्कर नदी में कजलियों को विर्सजन करते हुए वहां से लेकर आई हुई कजलियों को सर्व प्रथम अपने अपने ईष्ट देवताओं को अर्पित की गई तथा इसके उपरांत लोगों द्वारा एक दूसरे से आदन प्रदान करते हुए वर्षो से चली आ रही परम्परा को कायम करते हुए गले मिले। स्नेह के बीच मनाये जाने वाले इस पर्व पर नगर से लेकर गांव गांव बूढ़ो, महिलाओं व बच्चों सहित युवाओं ने कजलियों का अदान प्रदान कर परस्पर एक दूसरे को कजलियां पर्व की शुभकामनाएं देते हुये एकता व भाईचारे का संदेश दिया। वही शहरवासी कजलियां लेकर शोकाकुल घरों में पहुंचे जिनके परिजन प्रियजन को बिछुड़ने से पीड़ित थें। उन्हें कजलियां देकर सात्वपना प्रदा की तथा विश्वास दिलाया कि वे उनके दुख के सहभागी है। इस प्रकार से रविवार को कजलियां पर्व पर नगर के मंदिरों में लोगों ने कजलियां मिलन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें लोगों ने उपस्थित होकर अपना उल्लास प्रकट किया। गौरतलब है कि हिन्दू धर्मालंबियों द्वारा कजलियों के पूजनोपरांत उनक विसर्जन श्रद्वाभाव से शहर की जीवन रेखा शक्कर नदी में किया गया। इस मौके पर शक्कर नदी छिड़ावघाट पर जनमेला जुटने का परिदृश्य नगर आ रहा था। शहर के छिडावघाट पर भरे हुए मेले में जहां बच्चों के अनेक मनोरंजन की सामग्री मौजूद रहने के कारण बच्चों का हूजूम नजर आया। वही दूसरी ओर इस मौके पर महिला पुरूषों की भी काफी भीड़ देखने मिली। वही दूसरी ओर सुरक्षा की दृष्टि से यहां पर पुलिस बल भी तैनात किया गया था। इसी प्रकार से समीपस्थ सांईखेड़ा शहर में भी कजलियों का त्यौहार बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया, जिसके ग्रामीण प्रथा के अनुसार गांव के एक निश्चित स्थल पर कजलियों को एकत्र करते हुए उनका सामूहिक रूप से पूजन करते हुए विसर्जन किया गया। वही महिलाओं द्वारा एकत्र की गई कजलियों के स्थल पर जहां अनेक प्रकार के सावन गीत गाये गये जिसके चलते संपूर्ण महौल बना ही मनोरम नजर आने से नही चूक रहा था। वही दूसरी ओर अनेक गांवों में शैरों का आयोजन किया गया। इस तरह आयोजित होने वाले शैंरों के कार्यक्रम के संबंध में बताया जाता है कि गांव के अनेक बुजुर्ग व युवा एकत्र होकर अपने हाथों में लकड़ी के डंडा लेकर एक दूसरे के डंडो से मारने हुए गोल चक्र बनाकर सावन गीत गाते हुए सावन की बेला को मनोरम बनाते है। वही दूसरी ओर कजलिया पर्व के अवसर पर अनेक जगहों पर आल्हा वाचन का कार्यक्रम होता है जिसकें कजलियों (भुजारियों)की लड़ाई का वर्णन किया जाता है जिसकें वर्षो से चल रही इस परम्परा की वर्णन किया जाता है। वही बताया जाता है कि समीपस्थ ग्राम बारहाबड़ा में भी कजलियों के पर्व पर अनेक प्रकार के आयोजित संपन्न हुये, जिसमें लोगों द्वारा अपने अपने घरों में स्थापित की गई कजलियों के दोनों को महिलाओं द्वारा मंदिर पर ले जाया गया जहां पर सभी ग्रामवासियों द्वारा एकत्र होकर अनेक प्रकार के आयोजन संपन्न किये गये। वही इसके उपरांत महिलाएं गांव के पास से निकलने वाली नदी में ले जाकर उनका विसर्जन किया गया। इसके बाद लोगों द्वारा अपने इष्ट देवों को कजलियों समार्पित करने के बाद एक दूसरे से अदान प्रदान करने की शुरूआत की गई और इस दौरान यहां पर भी अनेक प्रकार के आयोजन संपन्न हुए। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में कजलिया पर्व पर नगर में शांति व्यवस्था बनाने के लिए उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक विक्रम रजक की टीम नगर में लगातार भ्रमण करते हुए देखी गई जिसके चलते कजलिया पर्व शांति पूर्वक संपन्न हुआ।

शराब का अवैध कारोबार करते हुये पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

शराब के बढ़ते हुये अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक मृगाखी डेका के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक विक्रम रजक की टीम द्वारा लगातार धरपकड़ मुहिम चलाई जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा अलग अलग स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान शराब का अवैध कारोबार करने वालों को पकड़ते हुये उनके पास से शराब जप्त की गई हे। इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा नगर के कुचबंदिया मुहल्ला में सदीप पिता नारायण दास महोबिया निवासी निरंजन वार्ड के पास से 5 लीटर तथा सूखा पिता बलीराम नौरिया निवासी राजीव वार्ड के पास से 5 लीटर व राजा पिता कन्हैया लाल कहार निवासी कुलदीप ढावा के पास गाडरवारा के पास से 5 लीटर व दो महिलाओं के पास से 10 लीटर, बबलू पिता कल्लू रजक के पास से 5 लीटर कच्ची महुआ की शराब तथा नगर की रायल्टी आफिस के पास सुखराम पिता बिरजू ठाकुर निवासी मरघटा मुहल्ला के पास से 4 लीटर कच्ची जप्त की गई। इसी प्रकार सिहोरा पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम भौरझिर में वही के निवासी प्रदीप पिता अन्नीलाल जाटव के पास से 15 पाव देशी प्लेन, ग्राम बम्हौरी में वही के निवासी क्षीरसागर पिता देवी प्रसाद प्रजापति के पास से 5 लीटर तो सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम मोहपा तालाब के पास दुर्गेश पिता अशोक यादव के पास से 18 पाव देशी व ग्राम खैरूआ रोड पर सूर्यकांत पिता शिव नारायण नाथ के पास से 18 पाव देशी प्लेन शराब जप्त की गई। वही चीचली पुलिस द्वारा भी नगर के परिषद भवन के पास से नाईद पिता मुन्ना खाँ निवासी गांगई के पास से 15 पाव देशी व ग्राम बारहाबड़ में एक महिला के घर के पीछे छिपी हुई 10 पाव देशी, 9 पाव गोवा अंग्रेजी शराब तथा इसी गांव निवासी नीलेश पिता लालजी परधान के पास से 6 लीटर कच्ची, ग्राम मऊ में वही के निवासी हेमराज पिता छत्तर सिंह चौधरी के पास से 12 पाव देशी, पिल्लू ढाबा के के सामने देवराज पिता यशवंत राजपूत निवासी ग्राम तूमड़ा के पास से 40 पाव देशी मशाला, 31 पाव अंग्रेजी शराब, अकृति शुगर मिल के पास मनीष पिता दीन दयाल रावत निवासी कान्हीवार्डा उदयपुरा जिला रायसेन के पास 34 पाव देशी, 27 पाव अंग्रेजी शराब तथा ग्राम सेठान तिरहा के पास से गोपाल पिता मुन्ना नौरिया निवासी ग्राम शोकलपुर के पास से 17 पाव देशी, ग्राम नरसरा में जगदीश पिता बद्री प्रसाद कौरव के पास से 5 लीटर शराब जप्त की गई। इसी प्रकार से सांईखेड़ा पुलिस द्वारा ग्राम झिकोली मोड पर कन्हैयालाल पिता राम गोपाल निवासी ग्राम मुंआर के पास 18 पाव देशी प्लेन तथा तूमडा तिरहा के पास कमलेश पिता रवि शंकर कहार निवासी मेहरागांव के पास से 17 पाव, ग्राम बनवारी प्रतिक्षालय के पास रहीम पिता लतीफ शाह निवासी बनवारी के पास से 17 पाव, ग्राम झिरिया माता मोड पर मुन्नालाल पिता नत्थू के पास से 18 पाव, पिठवानी रोड पर अरविंद पिता अनिल बंशकार के पास से 14 पाव, ग्राम बांसखेड़ा तिरहा के पास से श्रवण पिता हर दयाल अहिरवार के पास से 16 पाव देशी प्लेन, ग्राम कोस करपा नदी के पास गुलाब पिता भुजबल ठाकुर के पास 17 पाव शराब जप्त की गई। वही डोगरगांव पुलिस द्वारा अपने थाना के अंतर्गत ग्राम हीरापुर जाने वाले मार्ग पर कमलेश पिता जमना प्रसाद धानक निवासी रायपुर के पास से 5 लीटर कच्ची शराब तथा समीपस्थ पलोहा पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र के ग्राम सडूमर देवी मंदिर के पास दौलत पिता चरणदास जाटव के पास से 5 लीटर, ग्राम बगदरा में कोमल प्रसाद उर्फ हरि गोविंद पिता हीरालाल साहू के पास से 5 लीटर कच्ची व डेलन सिंह उर्फ मालू पिता हीरालाल साहू के पास से 4 लीटर, ग्राम सांगई मोड पर दिनेश पिता काशीराम जाटव निवासी ग्राम कोठिया के पास से 15 पाव देशी प्लेन शराब जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ 34 आवकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

मुख्य मार्ग पर बैठे हुये गौवंश पर डंपर चढ़ने से दो पशुओं की मौके पर मौत

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। दूध खाने के लिये जहां लोग अपने घरों में गौवंश तो पाल लेते है। मगर दूध दोहने के बाद जिस तरह उन्हें बैमौत मारने के लिये छोड़ दिया जाता है। इस बात की सच्चाई बीते हुये शनिवार की रात नगर के मुख्य मार्ग यानि बाईपास स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के सामने उस समय देखने मिली जब तेज गति से भागते हुये जा रहे एक डम्फर के चालक द्वारा मार्ग पर बैठे हुये गौवंश के ऊपर डम्फर चढ़ा देने के कारण जहां मौके पर दो गौवंश की मौत हो गई। वही अन्य पशुओं के घायल होने की खबर है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार नगर के शांतिदूत तिरहा से होते हुये शक्कर नदी पुल की ओर जाने वाले मार्ग पर शाम के समय कुछ पशु मुख्य सड़क के किनारे बैठे हुये थें। इस दौरान एक डम्फर तेज गति से भागते हुये आया और गौवंश के ऊपर चढ़ाते हुये आगे की ओर भागने के प्रयास के दौरान एक अन्य दूसरे वाहन से टकरा गया। इस तरह गौवंश के ऊपर डम्फर चढ़ने के चलते जहां अफरा तपरी का महौल निर्मित होने से नही चूक पाया। वही मौके से भाग रहे डम्फर चालक को घटना स्थल पर मौजूद लोगों द्वारा खड़ा कराते हुये तुरंत पुलिस को जानकारी दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची हुई पुलिस द्वारा डम्फर को अपने कब्जे में लेते हुये ट्रक चालक के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिये जाने की खबर है..?

अनेक सटोरिया आये पुलिस की गिरफ्त में

हरिभूमि न्यूज/ गाडवारा

सटोरियों के खिलाफ पुलिस द्वारा चलाई जा रही धरपकड़ मुहिम के चलते बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा अलग अलग स्थानों पर अनेक सटोरियों को पकड़ने में सफलता हासिल की गई है। इस संबंध में पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर नगर के चीचली तिरहा के पास छापा मारते हुये मौके पर शोभाराम पिता बाबू लाल धानक निवासी ग्राम इमलिया को सट्टा पट्टी काटते हुये पकड़कर आरोपी के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 300 रूपया व लालजी पिता डालचंद प्रजापति निवासी जमाडा के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 460 रूपया, गर के आजाद वार्ड में वही के निवासी हीरालाल पिता सुम्मेर सिंह विश्वकर्मा के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 270 रूपया, रेल्वे स्टेशन ब्रिज के पास राजकुमार पिता कालूराम नौरिया निवासी सांईधाम कालोनी के पास से पट्टी सहित नगदी 320 रूपया तथा लल्ली पिता हल्के प्रसाद कोरी निवासी पटैल वार्ड के पास से सट्टा पट्टी तथा नगदी 550 रूपया व नगर के शास्त्री वार्ड में शंकर लाल पिता मंगर कहार के पास से सट्टा पट्टी व नगदी 350 रूपया जप्त किये गये। इसी प्रकार से समीस्थ सालीचौका पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम अमाडा रोड पर कल्लू उर्फ कालूराम पिता गोकल प्रसाद प्रजापति निवासी सालीचौका के पास से पट्टी सहित नगदी 240, सांई मंदिर के पास चमन पिता बैनी प्रसाद साहू का सट्टा पट्टी काटते हुये पकड़कर आरोपी के पास सट्टा पट्टी सहित नगदी 250 रूपया जप्त किये गये। वही समीपस्थ

चीचली पुलिस द्वारा अपने थाने के अंतर्गत डिपो मुहल्ला चीचली में बबलू पिता राम सिंह अहिरवार के पास से सट्टा पट्टी एवं नगदी 280 रूपया जप्त किये। डोगरगांव पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कलयाणपुर बस स्टेन्ड के पास से कमलेश पिता फूलचंद विश्वकर्मा के पास से सट्टा पट्टी सहित नगदी 190 रूपया जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ धारा 4 क जुंआ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

अवैध रूप से हथियार लेकर घुमते हुये किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज/चीचली। संदिग्धों पर पैनी नजर रखने के लिये जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में बीते हुये दिवस चीचली पुलिस द्वारा जब क्षेत्र में गस्त की जा रही थी उसी दौरान नगर छात्रावास के पास ढोगा मुहल्ला में एक युवक संदिग्ध हालत में घुमते हुये पाये जाने पर जब पुलिस ने घेराबंदी करते हुये युवक से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम समीर पिता अब्दुल खान उम्र 21 साल निवासी ढोगा मुहल्ला बताया गया। वही युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से बकानुमा हथियार पाये जाने पर पुलिस ने आरोपी के पास से तेज धारदार हथियार जप्त करते हुये धारा 25 एर्म्स एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरफ्तार कर मा न्यायालय के समक्ष पेश किया गया।

रक्तदान एवं सेवा कार्यों के साथ असंख्य रुद्री निर्माण उत्सव का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

सदा ही समाज सेवा में मग्न रहने वाले मुकेश बसेड़िया द्वारा श्रावण मास के दौरान धार्मिक आयोजन कराते हुये जिस प्रकार से लोगों को पुण्य लाभ अर्जित करने का अवसर प्रदान किया गया है, उसको लेकर लोगों में काफी प्रसन्नता का महौल देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि नगर के गायत्री मन्दिर परिसर में बसेड़िया द्वारा आयोजित चार दिवसीय असंख्य रुद्री निर्माण, रुद्राभिषेक ,सत्संग प्रवचन के आलवा अन्य सेवा कार्यो के साथ संपन्न कराया गया। बताया जाता है कि इस धार्मिक आयोजन के तृतीय दिवस विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के एक दर्जन मेधावी छात्राओ का सम्मान मेडल ट्राफी सहित प्रमाणपत्र प्रदान कर किया गया। वही आयोजन के अंतिम दिन विशिष्ट सेवा कार्य के तहत मरीजों के हितार्थ बसेडिया द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन भी किया गया। इस शिविर में 15 लोगों द्वारा जिला चिकित्सालय से रक्तदान वाहन में अनुष्ठान स्थल रक्त एकत्र किया गया। इस मौके पर मुख्य रूप से महेश रघुबंशी, संजय शुक्ला, डॉ पारितोष जैन, एम एल चौधरी, अजय घारू, बिष्णु वाल्मीक, शेख शाहरूख, अर्चना जाटव, निखिल साहू के साथ गाडरवारा अस्पताल प्रभारी डॉ वस्त्रकार ने विशेष सहयोग किया। इस प्रकार से श्रावण माह

के दौरान चार दिन तक चले इस आयोजन में प्रतिदिन रुद्री निर्माण के समय कथा व्यास प्रवीण व्यास एवं पारिव्राजक मूलचंद पटेल ने शिव परिवार व संस्कारो पर प्रवचन देते हुये जहां धर्म की गंगा प्रवाहित की गई। वही पं.अनुष्ठान आचार्य, पं. अमित चौबे के साथ पं. कपिल शास्त्री ने वैदिक विधि विधान से रूद्री पाठ कर रुद्राभिषेक कराया। वही आयोजन स्थल पर प्रतिदिन भक्तों व आगंतुकों की विभिन्न शारीरिक जांचो की निःशुल्क व्यवस्था की गयी। इस कार्यक्रम में व्यवस्थापक संजू ढिमोले , अनुज शर्मा, प्रिंन्स बसेडिया के साथ सुरेश बसेड़िया, संजय शुक्ला, मनोज शर्मा, सुरेंद्र गोहल, दीपक शर्मा, राजेश शिक्षक मधुसूदन पटेल, मोहनिश रूसिया, पचौरी, गोविन्द वैष्णव ,भूरा श्रीवास, आशीष वर्मा, अमित द्विवेदी, कीर्ति विश्वकर्मा, पूजा कहार, मोना कहार व इंस्टिट्यूट की बेटियों का विशेष योगदान रहा।

मेंहदवानी, शहपुरा क्षेत्र के गांवों में धूमधाम से मनाया गया कजलियां पर्व

जिले के मेंहदवानी, शहपुरा और आसपास के आने गांवों में रविवार को कजलियां पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सावन माह के अंतिम सोमवार को मनाए जाने वाला यह पर्व क्षेत्र की आस्था और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है।

शहपुरा

सुबह से ही नगर और गांवों में कजलियां बनाने की तैयारियां शुरू हो गईं। महिलाएं पूजा-अर्चना कर मिट्टी के बर्तन और बांस की टोकरी में कजलियां सजाकर तैयार करती रहीं। शहपुरा में भगवान श्रीकृष्ण की शोभायात्रा के साथ पर्व का आगाज हुआ। श्रद्धालु सिर पर कजलियां और हाथों में कलश लिए नगर भ्रमण पर निकले। ढोल-ढमाकों और बैंड-बाजों की धुन पर नाचते-गाते लोग धार्मिक गीत गाते हुए आगे बढ़ते रहे। मेंहदवानी में भी इसी परंपरा का पालन करते हुए ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के लोग कजलियां लेकर नदी किनारे पहुंचे। वहीं आसपास के ग्राम जैसे कठौतिया जिमरा मानिकपुर शहपुरा टिकरिया बरौदी पड़रिया कछारी सलैया बरोदा रैपुरा देवरी पड़रिया कला लालपुर में भी लोगों ने सामूहिक रूप से पर्व मनाया। पर्व का मुख्य आकर्षण सामूहिक विसर्जन रहा, जिसमें लोग कजलियों को सिर पर रखकर पैदल यात्रा करते हुए नदी और तालाब तक पहुंचे। वहां विधिवत पूजा-अर्चना के बाद कजलियों का जल में विसर्जन किया गया। इस दौरान लोगों ने एक-दूसरे को कजलियां भेंट कर भाईचारे और एकता का संदेश दिया।

स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार कजलियां पर्व वर्षा की कामना, अच्छी फसल और गांव-नगर में सुख-शांति के लिए पीढ़ियों से मनाया जा रहा है। इस अवसर पर बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सभी उत्साह से शामिल होते हैं। कई स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और पारंपरिक नृत्य-गीत भी प्रस्तुत किए गए।

पूरे दिन नगर और गांवों में उत्सव का माहौल रहा। जगह-जगह लोगों ने एक-दूसरे को बधाइयां दीं और पारंपरिक मिठाइयों का आदान-प्रदान कर त्यौहार की खुशियां साझा कीं।

कजलिया पर्व पर धूमधाम से निकली शोभायात्रा

शहपुरा- सावन माह के पावन अवसर पर रविवार को कजलिया पर्व शहपुरा नगर में बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर श्री राम मंदिर बाजार चौक से भगवान श्रीकृष्ण जी की भव्य शोभायात्रा कजलियों के साथ निकाली गई। ढोल-ढमाकों और भजनों के बीच नगरवासी श्रद्धा भाव से शामिल हुए। शोभायात्रा में बबलू नामदेव, पूजारी प्रमोद तिवारी, पार्षद सुरेन्द्र साहू, समाजसेवी लवकेश धर बडगैया, सोनेलाल विश्वकर्मा, नागेंद्र सिंह चौहान, नारेश ठाकुर, मुकेश अवधिया, मोहन अवधिया, महेंद्र सोनी, मुकेश वनवासी, जगरनाथ वनवासी, मुरली साहू, गोविंद खटीक, संजू सोनी, गोपी विश्वकर्मा सहित नगर की माताएं-बहनें बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण जी की भक्ति में भाव-विभोर होकर नृत्य और कीर्तन किया। पूरे नगर में भक्तिमय माहौल रहा और जगह-जगह शोभायात्रा का स्वागत किया गया।

खबर संक्षेप

रिश्वतखोरी के आरोप में मनरेगा संविदा अधिकारी की सेवा समाप्त

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।
डिंडौरी में जनपद पंचायत बजाग अंतर्गत ग्राम पंचायत शोभापुर में मनरेगा के तहत पुलिया निर्माण कार्य में अनियमितताओं और रिश्वत मांगने के आरोप में जिला पंचायत डिंडौरी ने सख्त कार्रवाई की है। शिकायतकर्ता केशव राय, निवासी ग्राम गाडासरई, ने 1 अगस्त को जिला पंचायत में आवेदन देकर आरोप लगाया था कि वर्ष 2023-24 में नालबाई टोला, बर के पेड़ के पास पुलिया निर्माण कार्य (वर्क आईडी 1745004026) के लिए सामग्री सप्लाई का ऑर्डर राजेश्वर ट्रेडर्स गाडासरई को दिया गया था। भुगतान प्रक्रिया के दौरान देयक 14 मई 2025 को ऑनलाइन दिख रहा था, लेकिन बाद में जनपद पंचायत की आईडी से उसे डिलीट कर दिया गया।आरोप है कि अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी (संविदा) अशोक कुडापे ने मनरेगा के नियमों का पालन न करते हुए शिकायतकर्ता से सामग्री भुगतान के एवज में अनुचित राशि की मांग की। शिकायतकर्ता ने इसका स्क्रीनशॉट और ऑडियो रिकॉर्डिंग साक्ष्य के रूप में प्रस्तुत की। कार्यालय जिला पंचायत द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किए जाने पर अशोक कुडापे का जवाब असंतोषजनक पाया गया। जांच में उनका कृत्य म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 तथा मनरेगा संविदा सेवा शर्तों के अंतर्गत गंभीर कदाचरण, नैतिक पतन और अनुशासनहीनता की श्रेणी में पाया गया। इस पर जिला पंचायत डिंडौरी ने 8 अगस्त 2025 को आदेश जारी कर तत्काल प्रभाव से अशोक कुडापे की संविदा सेवा समाप्त कर दी।

अनूपपुर में धूमधाम से मनाया गया आदिवासी दिवस

अनूपपुर। 9 अगस्त को जिला मुख्यालय उत्कृष्ट विद्यालय स्कूल ग्राउंड में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन उत्साह और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत आदिवासी समाज की बालिकाओं के रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। "सारी दुनिया में धूम मचा दो, आदिवासी दिवस मना लो" गीत पर मनमोहक नृत्य ने उपस्थित जनसमूह का दिल जीत लिया। विशेष दिवस पर अनूपपुर की गलियों में "जय जोहार" के नारों की गूंज सुनाई दी। सर्व आदिवासी समाज ने एक विशाल रैली के साथ अपनी अस्मिता, संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में आदिवासी मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को और भव्य बना दिया। रैली और सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जल-जंगल-जमीन की रक्षा और संवैधानिक मूल्यों के पालन का संकल्प लिया गया। चचाई विद्युत विभाग के इंजीनियर राजेश डेहरिया ने अपने संबोधन में कहा कि आदिवासियों को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ एकजुट भी रहना चाहिए। वहीं सुरेंद्र पट्टा ने कहा कि संवैधानिक अधिकार पाने के लिए उनका ज्ञान होना जरूरी है। केवल साक्षर होना काफी नहीं, बल्कि उच्च शिक्षा प्राप्त करना भी आवश्यक है। जेलों में आदिवासियों की संख्या अधिक होने का कारण संवैधानिक जानकारी का अभाव है, कई निर्दोष आदिवासी फंसाए गए हैं। कार्यवाहक अध्यक्ष प्रहलाद दास ने युवाओं को शिक्षा से दूर रहने को समाज के लिए खतरा बताया और कहा कि समाज का नेतृत्व पढ़ा-लिखा व्यक्ति ही कर सकता है। अध्यक्ष अमिता मरावी ने सभी को एकजुट होकर कार्यक्रम सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। मंच संचालन अंजलि सिंह और श्रवण मानिकपुरी ने किया, जबकि कार्यक्रम संचालन की जिम्मेदारी सुरेंद्र पट्टा ने निभाई। कार्यक्रम में डॉ एस आर परस्ते, पंचम सिह धुर्वे, ओमकार सिंह, राजीव सिंह जनपद अध्यक्ष, रंजीत सिंह जिला जनपद सदस्य, बी एस पोर्ते, विनोद सिंह, मोहन सिंह परते, रामनिरंजन सिंह पोर्ते, गंगा सिंह नेटी, रामेश्वर राठौर, गोविंद सिंह एडवोकेट, संदीप पड़वार जिला अध्यक्ष /आप कृष्णा पनिका जिला अध्यक्ष/जे. व्हाई.पी.एस.हेमवती पोर्ते, कुसुम सिंह परस्ते, दीनवती पोर्ते, कौशल्या सिंह धुर्वे, ममता सिंह नेटी, राधा सिंह परस्ते, ललिता सिंह आर्मो, शशिकला धुर्वे, लीला सिंह आर्मो, सुषमा पट्टा, गीता सिंह सराटी, वृंदा सिंह मार्को, सुधा मरावी, रंजना सिंह, गनेसिया मरावी, सीता पोर्ते, सरिता सिंह परते, ललिता रैदास, सावित्री चंद्राकर सहित अनेक गणमान्य महिला व पुरुष उपस्थित रहे।

विश्व आदिवासी दिवस पर कछारी रैयत में हुआ भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

डिंडौरी जिले की तहसील शहपुरा अंतर्गत ग्राम कछारी रैयत में शनिवार को विश्व आदिवासी दिवस बड़े ही उत्साह और पारंपरिक धूमधाम के साथ मनाया गया। आयोजन ग्राम के विरसा मुंडा प्रांगण में हुआ, जहां सुबह से ही ग्रामीणों, युवाओं और महिलाओं का उत्साह देखने लायक था। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक नृत्य और ढोल-नगाड़ों की थाप के साथ किया गया। ग्रामीणों ने अपने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर हिस्सा लिया और सामूहिक रूप से आदिवासी संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इस अवसर पर वक्ताओं ने बिरसा मुंडा सहित अन्य आदिवासी महापुरुषों के योगदान और बलिदान को याद किया तथा आदिवासी समाज की एकता और संस्कृति को संजोने का संदेश दिया। स्थानीय कलाकारों ने आदिवासी गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, वहीं युवाओं ने पारंपरिक खेलों में भाग लेकर माहौल को जीवंत बना दिया। आयोजन में बुजुर्गों ने अपनी पीढ़ियों को परंपराओं और इतिहास से अवगत कराते हुए गौरवशाली विरासत को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। दिनभर चले इस कार्यक्रम में ग्रामीणों ने सामूहिक भोज का भी आनंद लिया। विश्व आदिवासी दिवस के इस उत्सव ने ग्राम कछारी रैयत में सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक गर्व की भावना को और प्रबल कर दिया।

रिश्तों की डोर में बंधा शहपुरा, राखी पर्व पर गूंजा प्यार और अपनापन

शहपुरा – डिंडोरी जिला के शहपुरा क्षेत्र में भाई-बहन के अटूट प्रेम का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही घर-घर में त्यौहार की रौनक देखने को मिली। बहनों ने थाल सजाकर उसमें राखी, अक्षत, रोली, दीपक और मिठाई रखकर तैयारियां शुरू कीं। जैसे ही शुभ मुहूर्त आया, बहनों ने अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधते हुए उनके लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद भाइयों ने भी बहनों को मिठाई खिलाकर उन्हें उपहार दिए और जीवनभर उनकी रक्षा करने का संकल्प लिया। त्यौहार के दौरान शहपुरा नगर के साथ-साथ आसपास के गांवों में भी पारिवारिक मिलन का माहौल देखने को मिला। घरों में रिश्तेदारों और मित्रों का आना-जाना लगा रहा, जिससे पूरा दिन उत्साह और उमंग से भरा रहा। बच्चे भी इस मौके पर नए कपड़े पहनकर खुश नजर आए और एक-दूसरे को राखी बांधते दिखाई दिए। दुकानों पर मिठाई और उपहार की खरीदी दिनभर जारी रही, जबकि बाजारों में भी त्यौहार की चहल-पहल बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना था कि रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के रिश्ते को और मजबूत करने का अवसर है। इस दिन का महत्व यही है कि हम रिश्तों में प्यार, विश्वास और जिम्मेदारी को निभाने का संकल्प लें। राखी पर्व के साथ-साथ कई जगह धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-पाठ भी आयोजित किए गए, जिनमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शाम होते-होते पूरे नगर में मिठास और अपनापन का माहौल था, जिसने इस दिन को खास बना दिया।

मैया अभियान जारी, घाटों पर की गई सफाई

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

नर्मदा को समर्पित पर्यावरण संरक्षण "मैया अभियान " अंतर्गत रविवार पुल समीप घाट में स्वच्छ्ता सेवा की गई। विदित है कि प्रतिदिन सैकड़ो संख्या में श्रद्धालु पुल सपीप घाट में पूजा अर्चना एवं श्रद्धा की डुबकी लगाते हैं। बस स्टैंड पास होने के कारण प्रवासी मजदूर सर्वप्रथम यही डुबकी लगाते है यहाँ सार्वजनिक सौचालय न होने के कारण सबसे ज्यादा गन्दगी एवं प्रदूषण पुल समीप घाटों में होता है। मैया अभियान के स्वमं सेवको ने दोनों घाटों में झाड़ू लगाकर लगभग एक टैक्टर प्रदूषक निकाल कर हटाया एवं घाट को स्वच्छ किया। विदित होवे कि मैया अभियान लगभग 3 वर्षो से लगातार जारी है इसमें सरकारी कर्मचारी ,विद्यार्थी एवं नगर निवासी स्वेच्छा से प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे से श्रम दान करते हैं ।मैया अभियान के सभी सदस्यों ने जिला प्रशासन से अपील की है कि नर्मदा घाटों में सौचालय एवं कचरा पेटी का निर्माण कराया जाय साथ ही गंदगी करने वालो पर जुर्माना लगया जाय। नगर वासियों ,कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों से अपील की है कि प्रत्येक रविवार प्रातः 7 बजे स्वच्छ्ता सेवा में शामिल होकर माँ नर्मदा को निर्मल बनाए।रविवार को डॉ संतोष परस्ते आयुष विभाग , वरिष्ठ शिक्षक शाहिद खान, नेहरू युवा केन्द्र आर पी कुशवाहा , शिक्षक जितेन्द्र दीक्षित ,पशु चिकित्सा गणेश गवले , रक्त देवदूत भागवत यादव ,प्राचार्य राम विशाल मिथलेश , याथार्त यादव रीतेश नामदेव ने श्रम दान कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दोहराया।

स्वच्छता और राष्ट्र भक्ति संग अभियान की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

हरिभूमि न्यूज।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 2 अगस्त से पूरे प्रदेश में संचालित "हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता : स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग" अभियान की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घर-घर तिरंगा फहराने के साथ स्वच्छता गतिविधियों को जनभागीदारी से सफल बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह अभियान न केवल राष्ट्रभक्ति को जागृत करेगा, बल्कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में डिंडोरी जिले से कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या, पुलिस अधीक्षक श्रीमती वाहनी सिंह, सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जिले में चल रही गतिविधियों की जानकारी दी और अभियान को और प्रभावी बनाने के लिए सुझाव भी साझा किए।

खरमेर नदी में की गई कजलियां विसर्जित

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर सहित आसपास के गांवों में रविवार को प्रेम और भाईचारे के साथ प्रकृति के अनुपम उपहार फसलों से जुड़ा पर्व कजलियां धूमधाम से ब्लॉक भर में मनाया गया। खरमेर नदी में कजलियां विसर्जन का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। विशेषकर युवतियों, महिलाओं और बच्चों में अधिक उत्साह देखा गया। कजलियां विसर्जन के बाद लोग एक दूसरे को शुभकामनाएं देते देखे गए। वर्तमान समय की व्यस्तता के बावजूद भी हिंदू धर्म में त्यौहारों का महत्व आज भी बरकरार हैं। पुरातन समय से चली आ रही हैं। यह परंपरा लोगों के मेल मिलाप का अवसर मानी जाती हैं। इस दिन अपना बैर, द्वेष भुलाकर लोग कजलियां एक दूसरे को देकर मैत्री भाव प्रकट करते हैं।

शिवलिंग पर कजलिया अर्पित- पर्व मनाने शाम से ही महिलाएं और बच्चे सिर पर कजलियां की टोकरी लेकर खरमेर नदी की ओर जाते नजर आए। खरमेर नदी में कजलियों का पूजन अर्चन करने के बाद खरमेर तट में बनी शिवलिंग पर कजलियां अर्पित की गई। इसके बाद परिवार और समाज में एक दूसरे को कजलियां देकर गले मिले।

खबर संक्षेप

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिला सैनिक कल्याण कार्यालय द्वारा मासिक सम्मेलन के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर्नल अनिल भार्गव से.नि. की अध्यक्षता में शुक्रवार को आयोजित किया गया। इस दौरान सभी भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में भूतपूर्व सैनिकों एवं उनके परिजनों को कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए जानकारी प्रदान की।

समिति की बैठक आज

नरसिंहपुर। जिला स्तरीय आधार निगरानी समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार 11 अगस्त को दोपहर एक बजे से आयोजित की जाएगी। यह जानकारी अपर कलेक्टर नरसिंहपुर ने दी है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल 13 को निकलने वाली तिरंगा यात्रा में होंगे शामिल

छिंदवाड़ा। भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशाल तिरंगा यात्रा 13 अगस्त को दोपहर 1 बजे स्थानीय माता मंदिर चंदनगांव से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए शहिद अमित ठेंगे चौक बस स्टैंड पहुंचेगी। श्री यादव ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस तिरंगा यात्रा में शामिल होने 13 अगस्त को दोपहर 1 बजे छिंदवाड़ा पहुंचेंगे। श्री यादव ने बताया कि भाजपा पदाधिकार एवं कार्यकर्ता प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल का इमलीखेड़ा चौक पर भव्य स्वागत करेंगे। श्री यादव ने बताया कि स्वागत के उपरान्त भाजपा प्रदेश अध्यक्ष माता मंदिर चंदनगांव पहुंच कर तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। तिरंगा यात्रा के संयोजक प्रमोद शर्मा ने बताया कि तिरंगा यात्रा 13 अगस्त को दोपहर 1 बजे माता मंदिर चंदनगांव से प्रारंभ होकर ई एल सी चौक, दशहरा मैदान, जिला अस्पताल, फव्वारा चौक होते हुए शहीद अमित ठेंगे चौक बस स्टैंड पर पहुंचेगी।

मालगाड़ी के आगे कूदा युवक दोनों पैर कटे, छिंदवाड़ा रेफर

हरिभूमि न्यूज:परासिया

शनिवार 09 अगस्त रक्षाबंधन की रात 9 - 10 बजे के बीच , एक युवक माल गाड़ी के आगे कूद गया । जिससे उसके दोनों पैर कट गए । रेलवे कर्मियों द्वारा घायल युवक को एम्बुलेंस से परासिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उसे छिंदवाड़ा अस्पताल रेफर किया गया ।माल गाड़ी डी जी एफ जे के ड्राइवर ने हेडक्वार्टर छिंदवाड़ा को सूचना भेजी कि 09.08.2025 को परासिया छिंदवाड़ा स्टेशन के मध्य किलोमीटर नंबर 963 पर ट्रेन नंबर डी जी एफ जे मालगाड़ी के इंजन से एक व्यक्ति ट्रेन के पास आते ही इंजन के आगे कूद गया । जिससे इंजन से टकराने के कारण घायल हो गया । जिसके कारण उसके दोनों पैर कट गए । ट्रैन को तुरंत रोक दिया गया ।जिसके बाद डिप्टी एस एस ऑन ड्यूटी बृजेश गढ़वाल के द्वारा 108 एंबुलेंस को घटना स्थल पर पहुंचाया गया।

दो गुटों में मारपीट, एक भर्ती एक घायल, मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏩ परासिया

चांदामेटा रोड पर साईं मंदिर के समीप दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई । जिसमें दोनों गुटों का एक - एक युवक घायल हुए हैं । एक छिंदवाड़ा अस्पताल में भर्ती बताया जा रहा है । पुलिस दोनों पक्षो की शिकायत पर विवेचना कर रही है ।मिली जानकारी के अनुसार चांदामेटा में रहने वाला दिनेश यदुवंशी अपने साथी टकलू और सतीश के साथ शनिवार 9 अगस्त को रात करीब 9 बजे परासिया आया और यहां आकर उसने ई डी सी में रहने वाले जुनैद नामक युवक को फ़ोन करके बुलाया , जुनैद जब साईं मंदिर के समीप पहुंचा तो दिनेश और जुनैद की आपस में बातचीत के दौरान विवाद हो गया । जिसके बाद दिनेश और उसके साथियों ने जुनैद के साथ मारपीट की । जिसके बाद जुनैद ने अपने भाई को फोन करके बुलाया । जुनैद का भाई अपने अन्य दोस्तों के साथ पहुंचा । जिसके बाद मारपीट और होने लगी ।

रक्षाबंधन पर जेल में भाई-बहन का मिलन

केंद्रीय जेल पहुंचकर 1124 बहनों ने अपने 686 कैदी भाईयों की कलाई पर बांधी राखी

कजलिया लोक परम्परा में प्रकृति के प्रेम का पर्व

परंपरारूप से मनाया गया कजलियां पर्व

हरिभूमि न्यूज-नरसिंहपुर। जेल मुख्यालय मध्यप्रदेश भोपाल के आदेशानुसार रक्षाबंधन के पावन अवसर पर जेल में निरूद्ध बंदियों की बहनों को सामान्य मुलाकात दी गई। केंद्रीय जेल पहुंचकर 1124 बहनों ने अपने 686 कैदी भाईयों की कलाई पर बांधी राखी । प्रात 9 बजे से अत्याधिक सुरक्षा व्यवस्था के साथ खण्ड-अ एवं खण्ड-स में विचाराधीन बंदी एवं महिला बंदियों से उनके परिजन भाई एवं बहिनों से मुलाकात कराई गई। बंदियों को उनकी बहनों व भाईयों से मुलाकात कराई गयी। भाई-बहन के पवित्र रिश्तों को रेखांकित करने वाला रक्षाबंधन पर्व परम्परागत तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर अतिथियों ने बंदी के परिजन बहनों एवं बच्चों को रक्षाबंधन की शुभ कामना दी एवं मुलाकात में आये बंदी के परिजनों के बच्चों को ड्राईंग बुक, चॉकलेट, बिस्कुट, जूस, पेंसिल उपहार स्वरूप भेंट किये गये। बंदियों की बहनों द्वारा बंदी भाईयों को रक्षासूत्र बांधा गया एवं सत्कर्मों द्वारा एक सभ्य नागरिक बनने का वचन लिये। जेल प्रशासन का विश्वास है कि परिवार का पे्रम ही अपराध की दुनिया से अपने परिजन को वापिस ला सकता है एवं सही रास्तों पर चलकर जीवन यापन की प्रेरणा दे सकता है। बंदियों के मनोबल, आत्मबल एवं उज्जवल भविष्य के लिए जेल विभाग सदैव प्रयत्नशील है। मुलाकात के अवसर पर जेल अधीक्षक, उप जेल अधीक्षक, सहायक जेल अधीक्षक सहित अन्य जेल स्टॉफ मौजूद रहा।

परंपरारूप से मनाया गया कजलियां पर्व

स्नेह और भाईचारे का प्रतीक कजलियां पर्व रविवार को समूचे जिले में परंपरागत रूप से मनाया गया। यह पर्व रक्षाबंधन के दूसरे दिन मनाया जाता है। कजलियां पर्व पर लोगों ने एक दूसरे को कजलियों का आदान प्रदान कर पुराने गिले शिकवे दूर किए और पर्व की शुभकामनाएं दीं। इसी प्रकार सनातन धर्म की संस्कृति के अनुसार मिलन समिति द्वारा कजलियां मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को कजलियां का आदान प्रदान कर आपसी भाईचारा को सदैव निभाने का संकल्प लिया गया एवं अनरव वाले परिवार में जाकर संवेदना व्यक्त की। इस अवसर पर मिलन समिति के संरक्षक एसके चतुर्वेदी, अध्यक्ष संजय राय, सचिव छोटू पटेल, गोपालपुरी गोस्वामी, प्रदीप नामदेव एवं रावत आदि मौजूद रहे। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगहों पर परंपरागत ढंग से अनरव के कार्यक्रम देर रात तक चलते रहे।

नई फसल का प्रतीक कजलियां पर्व,

जानें क्यों मनाते हैं

कजलियां पर्व राखी यानी रक्षा बंधन पर्व के दूसरे दिन मनाया जाता है। इसे कई स्थानों पर भुजरियां नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार प्रकृति प्रेम और खुशहाली से जुड़ा पर्व है। इसका प्रचलन सदियों से चला आ रहा है। इस बार यह पर्व आज मनाया जा रहा है।

पर्व की मान्यता रू मान्यतानुसार इसका प्रचलन राजा आल्हा ऊदल के समय से है। यह पर्व अच्छी बारिश, अच्छी फसल और जीवन में सुख-समृद्धि की कामना से किया जाता है। तकरीबन एक सप्ताह में गेहूं के पौधे उग आते हैं, जिन्हें भुजरियां कहा जाता है। फिर रक्षा बंधन के दूसरे दिन महिलाओं द्वारा इनकी पूजा-अर्चना करके इन टोकरियों को जल स्त्रोतों में विसर्जित किया जाता है।

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री गौशाला खमरिया का निरीक्षण किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने ग्राम पंचायत खमरिया में मुख्यमंत्री गौशाला का निरीक्षण किया। उन्होंने गौशाला का उचित संचालन व गौशाला में पशुओं की संख्या बढ़ाने और पशुओं के लिए प्रचुर मात्रा में चारा- भूसा और पेयजल का प्रबंध करने को कहा। विभागीय अधिकारियों के द्वारा बताया गया कि गौशाला में प्रति पशु के लिए 40 रुपये प्रतिदिन की राशि प्रदान की जाती है। उक्त राशि से पशुओं के लिए चारा-भूसा व देखभाल का प्रबंध किया जाता है। कलेक्टर श्रीमती पटले ने गौशाला से दुग्ध उत्पादन, गोबर खाद, कंडे व गौमूत्र के माध्यम से आमदनी का जरिया बढ़ाने को कहा। गौशाला की रिक्त भूमि में चारा विकसित करने तथा बागवानी लगाने के निर्देश दिए। गौशाला में गोबर का उचित प्रबंध करने के लिए वर्मी कम्पोस्ट बनाने को कहा। कलेक्टर श्रीमती पटले ने जिले में गौशालाओं का उचित प्रबंध करने के लिए पशु चिकित्सा विभाग को जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित करने के निर्देश दिए। आयोजित कार्यशाला में गौशाला संचालित करने वाले स्वसहायता समूहों को उचित प्रशिक्षण दिया जाए, जिससे इन गौशालाओं का संचालन बेहतर ढंग से हो सके और गौशालाओं में आमदनी बढ़ाई जा सके।

हर घर तिरंगा- हर घर स्वच्छता अभियान 15 अगस्त तक होगा आयोजित

नरसिंहपुर।

संस्कृति मंत्रालय एवं जल शक्ति मंत्रालय के संयुक्त तत्वाधान में 79 वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता स्वतंत्रता का उत्सव- स्वच्छता के संग विषय पर आधारित अभियान 8 अगस्त से 15 अगस्त 2025 तक आयोजित किया जा रहा हैं। यह अभियान सामूहिक उत्सव और नागरिक कर्त्तव्यों की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से तैयार किया गया हैं। इसमें स्वच्छ और सुजल गांव की अवधारणा- स्वच्छता और जल सुरक्षा को स्वतंत्रता की भावना से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री की प्रभावी स्वच्छता और जल स्वच्छता की संकल्पना को आगे बढ़ाया जायेगा, ताकि सतत स्वच्छता, सुरक्षित जल आपूर्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वच्छता को सुनिश्चित किया जा सकें। अभियान अंतर्गत स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण तथा जल जीवन मिशन के अंतर्गत गांवोंध ग्राम पंचायतों में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेगी। इस अभियान का समापन 15 अगस्त 2025 को प्रमुख स्थलों जैसे अमृत सरोवर, सार्वजनिक स्थल आदि पर ध्वाजारोहण समारोह के साथ किया जायेगा।इस अभियान का समापन सार्वजनिक स्थल आदि पर ध्वाजारोहण समारोह के साथ किया जायेगा। जिलास्तर पर उक्त अभियान की शुरूआत जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ज्योति नीलेश काकोड़यिा, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले,जिला पंचायत सदस्यगण की मौजूदगी में जिला पंचायत के सभाकक्ष में हुआ।

जनअभियान परिषद के द्वारा निकाली गई तिरंगा बाईक रैली

नरसिंहपुर

10 अगस्त 2025. मध्यप्रदेश जनअभियान परिषद जिला नरसिंहपुर के तत्वाधान में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग अभियान के अंतर्गत अन्तर्गत बाइक तिरंगा रैली नरसिंहपुर में निकाली गई। इस रैली में जनअभियान परिषद की नवांकुर संस्थाओं, प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधियों एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित पाठ्यक्रम के परामर्शदाता एवं छात्रों सहित विकासखण्ड समन्वयकों की सहभागिता रही। यह अभियान समस्त विकासखण्ड, ग्राम पंचायतों एवं ग्रामों में जन सहभागिता से तिरंगा रैली, शपथ, संगोष्ठी सहित स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह अभियान 15 अगस्त तक तीन चरणों में सम्पन्न किया जाएगा।

मिट्टी गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशाला का आयोजन हुआ

नरसिंहपुर। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद नरसिंहपुर कार्यालय में मिट्टी गणेश- सिद्ध गणेश निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यशाला में विकासखंड समन्वयकों, माटी कला से जुड़े कालाकारों ने सहभागिता कर मिट्टी से गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया। जिला समन्वयक मप्र जनअभियान परिषद जय नारायण शर्मा ने बताया कि मप्र जनअभियान परिषद एवं नर्मदा समग्र के संयुक्त तत्वाधान में सम्पूर्ण प्रदेश में 10 लाख मिट्टी गणेश- सिद्ध गणेश प्रतिमाओं का निर्माण किया जा रहा है। इसी श्रृंखला में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जिलेभर के मास्टर ट्रेनर्स ने सहभागिता की। अब मास्टर ट्रेनर्स के माध्यम से विकासखंड एवं सेक्टर स्तर पर मिट्टी गणेश- सिद्ध गणेश प्रतिमा निर्माण कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। यह कार्य गांव- गांव में अभियान के रूप में चलाया जाएगा और आने वाली गणेश चतुर्थी में पर्यावरण के अनुकूल एवं प्रदूषण मुक्त गणेश प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी।

गोटेगांव बकतला स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर में बजरंग सेना नर्मदा खंड महाआरती

गोटेगांव : समिति के तत्वाधान में रामभक्त हनुमान जी की महाआरती पंडित विनोद तिवारी के आचार्यत्व में पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण व विधि विधान के साथ सजल श्रीवास्तव के द्वारा पूजन अर्चन किया गया अंजनीसुत को खीर लड्डु का भोग अर्पित कर भक्तों में प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालु जनों द्वारा सामूहिक रूप से श्री राम स्तुति, श्री हनुमान चालीसा, श्री हनुमान जी की महाआरती का गायन किया गया गौरतलब है कि श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर महाआरती समिति द्वारा प्रत्येक शनिवार को संकट मोचन जी की संगीतमय महाआरती विगत 5 वर्षों से भी अधिक समय से एवं 295वें सप्ताह से निरंतर जारी हे साप्ताहिक संगीतमय महाआरती के पश्चात समिति की भजन मंडली के सदस्यों द्वारा सामूहिक रूप से भजनों की अनुपम प्रस्तुति की ।

हिंदू होने की पहली पहचान ही गोमाता

गोटेगांव। विगतदिवस द्वारकाशारदापीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने परमहंसी गंगा आश्रम के गंगा कुंड स्थल पर चातुर्मास प्रवचन श्रृंखला को सुनाते हुए कहा कि मानव को उसके कर्म फल के अनुसार ही अगला जन्म मिलता है। ईश्वर केवल मानव का कर्म फल ही देखता है।आपने कहा कि इस शरीर के त्याग के बाद भी कर्म फल को भोगना पड़ता है, वह किसी भी लोक में चला जाए उसको कर्म का फल अवश्य ही भोगना पड़ेगा, इससे वह कभी बच नहीं सकता है। इसलिए मानव को अपने जीवन में अच्छे कर्म करते रहना चाहिए आपने कहा कि जब तक ममता रहित नहीं होगे तब तक परमात्मा की प्राप्ति नहीं होगी। मानव को सब कुछ करते हुए अपने जीवन में कभी परमात्मा को विस्मृत नहीं करना चाहिए, क्योंकि मानव ने जन्म के समय जो वचन परमात्मा को दिया था वह जन्म लेने के बाद परमात्मा को दिया गया वचन को भूल जाता है। आपने कहा कि राजा राम की न्याय प्रियता का प्रसंग सुनाया। कहा कि इस स्वतंत्र भारत में हमारी गोमाता को अभी तक न्याय नहीं मिल पा रहा है, जिसके कारण उसकी हत्या हो रही है। जबकि हिन्दू होने की पहली पहचान ही गोमाता है। सनातन धर्मी गाय को माता के रूप में पूजते है अन्य लोग उसको पशु मान कर चलते है, इसके कारण विधर्मी सनातन धर्म पर कुठाराघात कर रहे है। आपने कहा कि भगवान को पूजन के लिए उनकी मूर्ति और मंदिर का निर्माण करना पड़ता है, गोमाता में सभी देवता निवास करते है जिसकी पूजा करने से सभी देवताओं का फल अर्जित हो जाता है। गोमाता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए चारों पीठ के शंकराचार्य और आचार्य समर्थन कर रहे है । बाल्मीकी रामायण के प्रसंग को सुनाते हुए शंकराचार्य ने कहा कि जब मंत्री सुमंत्र खाली हाथ रथ को लेकर वापस अयोध्या आते है तो उसको देख कर पूरी अयोध्या विलाप में डूब जाती है, बिना राम के अयोध्या श्रीहीन हो जाती है किसी में कोई उत्साह की लहर तक नहीं थी। यह देख कर राजा दशरथ भी विलाप में डूब जाते है। यह देख कर माता कौशल्या राजा दशरथ से कहतीं हैं कि विधि के विधान को कोई टाल नहीं सकता है। इतने बड़े धर्मात्मा होने के बाद भी इतना कष्ट क्यों हो रहा है,इस पर विचार करना चाहिए। जब राजा दशरथ युवा अवस्था में शब्द भेदी बाण से हुए अनिष्ठ का प्रसंग कौशल्या को सुनाते है। शंकराचार्य ने भाई बहन के अटूट प्रेम रक्षाबंधन पर कहा कि आज के समय में कुछ बहनें सम्पत्ति के लिए भाई के ऊपर केस कर देती हैं, ऐसे हालात में भाई बहन का प्रेम कहां चला गया । मानव सबसे अधिक प्रेम अपने प्राणों से करता है।

बका से हमला

गोटेगांव समीपवर्ती ठेमी थाना अंतर्गत बीते दिवस सिमरी बड़ी निवासी दीपक पिता पोहपसिंह पटेल उम्र 32 वर्ष अपने भाई के साथ खेत जा रहा था। उसी दौरान गांव के रामसिंह पटेल ने बका से हमला कर दिया और सर में बका मार दिया ।जिससे दीपक को गम्भीर चोट आ गई। वही परिजन उसे ठेमी थाने लेकर पहुंचे। जहां शिकायत दर्ज की और पुलिस मुलाहजा करवाने जिला अस्पताल लेकर आई। ग्रामीण का जिला अस्पताल में किया जा रहा हैं।

युवक के साथ मारपीट

गोटेगांव समीपवर्ती के ग्राम बरहटा स्थित काछी मोहल्ला में बुधवार की सुबह करीब साढ़े 6 बजे बलराम पिता हेमराज प्रजापति 22 वर्ष के साथ मारपीट हो गई। पुलिस ने बताया कि घायल स्वयं इलाज कराने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। मामले को जांच में लिया गया है।

महिला को सर्प ने काटा

गोटेगांव थाना के ग्राम बुढ़ैना निवासी ज्योति पति गोविंद पटेल 33 वर्ष को घर में सर्प ने काट दिया। जिसे पति द्वारा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां पर महिला का इलाज किया जा रहा है।

मंदिर जाओ तो निष्छल होकर जाओ

धर्म का सम्मान नहीं कर सकते तो धर्म का अपमान भी नहीं करना: प्रबुद्ध सागर

गोटेगांव

जिस जैनी को वीतरागी प्रभु ने जियो और जीने को संदेश दिया है तो वह जैनी यह भी जानता है कि उसे दूसरों के साथ स्वयं को भी कैसे जीना है। आप अपने मन को निश्छल, निष्कपट बना लो। जिनेंद्र भगवान के मंदिर में निश्छल ,निष्कपट, पवित्र हृदय होकर ही प्रवेश करना, वरना आपका मंदिर जाना बेकार है, क्योंकि धर्म छल कपट को पसंद नहीं करता है। जिनेन्द्र भगवान वीतरागी हैं। इसलिए तुम भी यह घमंड कभी मत करना कि मंदिर इसका है या मंदिर उसका है। मंदिर इसका या उसका कभी नहीं होता बल्कि मंदिर तो सदैव भगवान के होते हैं। यह उच्च मार्गदर्शी,श्रेष्ठ धर्मपरायण बात गोटेगांव नगर के श्री शांतिनाथ जिनालय में विराजमान मुनि श्री प्रबुद्ध सागर जी ने उन अचेतन, असंयमी श्रावकों के लिए कहीं जो मंदिरों को भी इसके उसके बीच बांटने का कार्य करते हैं। मुनि श्री ने कहा कि संकट की घड़ी में धर्म ही रक्षा करता है। धर्म कभी भी कायरता नहीं सिखलाता और ना ही धर्म कायर होता है। धर्म भी ईंट का जवाब पत्थर से देना जानता है। अविवेकी, मूर्ख लोग सदैव धर्म पर प्रहार करते हैं। लेकिन जब उन पर धर्म की मार पड़ती है, तो फिर किसी लायक न रहकर कहीं के नहीं रह जाते। धर्म के साथ कभी भी किसी भी स्थिति में तुम छेड़छाड़ नहीं करना। तुम कभी भी धर्म का माखौल मत बनाना। जिसने भी भूलवश या जानबूझकर कभी धर्म का माखौल उड़ाया है उसे सदैव मुहं की खानी पड़ी है। यदि धर्म का सम्मान नहीं कर सकते तो धर्म का अपमान भी नहीं करना। ध्यान रखना आज जो भी अच्छा बुरा होता है वह आपके अपने कर्मों के कारण होता है।